

सोमवार, 29 जुलाई- 2024

सपनों का झूँकर मर जाना

वो अच्छी पढ़ाई के लिए दिल्ली आए थे। उनका बस एक ही सपना था कि पढ़-लिखकर उस मुकाम को हासिल करें जिससे उनके माता-पिता ही नहीं समाज को उन पर गर्व हो। हालांकि, उनका सपना पूरा होने से पहले ही सबकुछ उजड़ गया। तीन स्टूडेंट्स की कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से मौत हो गई। उनकी मौत का जिम्मेदार कौन है? इसे लेकर आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। देश की राजधानी दिल्ली में झकझोर देने वालों घटना पर मृत छात्रों के परिवारों पर क्या बीत रही होगी, वह बयां करना भी मुश्किल है। दिल्ली जैसे शहर के पॉश इलाके में प्रतिष्ठित राव कोचिंग संस्थान का नाम बड़ा है। ऐसे संस्थान में तीन युवा छात्र बारिश का पानी भरने से ढूबकर मर जाएं यह शर्मनाक होने के साथ ही कलंक भी है। देश के विभिन्न इलाकों से आईएएस बनने का सपना लेकर प्रतिभाशाली छात्र यहां कोचिंग लेने आते हैं। इसके लिए उन्हें लाखों की तगड़ी फीस भी देनी पड़ती है। उसी कोचिंग सेंटर में तीन युवाओं की इसलिए मौत हो जाती है कि वहां मैन मैंड आपदा आ गई। ये वो युवा थे जो कल देश का भार और जिम्मेदारियां अपने कंधों पर लेते। आखिर इनकी क्या गलती थी, ये तो बस पढ़ाई करने और अफसर बनने की प्लानिंग के साथ दिल्ली आए थे। दुख होता है ये सोचकर की हम अपने जवान लोगों को लगातार क्यों खो रहे हैं? आखिर इस घटना का जिम्मेदार किसे माना जाए। बता दें कि दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित बड़े कोचिंग सेंटर में ये स्टूडेंट्स अपने भविष्य को संवरने की जद्दोजहद में लगे थे। खबरों के अनुसार कोचिंग के बेसमेंट में लाइब्रेरी थी, यहां करीब 35 छात्र पढ़ाई कर रहे थे। इसी दौरान अचानक इतना पानी आ गया कि युवा छात्रों को वहां से निकलने का मौका तक नहीं मिला। बेसमेंट में अचानक ही पानी भरने लगा, जब तक स्टूडेंट्स अलर्ट होते काफी देर हो चुकी थी। तीन छात्रों की दर्दनाक तरीके से जान चली गई। आखिर कितनी पीड़ादायक खबर है। क्या बीत रही होगी, उन बच्चों के घर वालों पर, जिन्होंने अपने जिगर के टुकड़े को आईएएस बनाने के लिए दिल्ली भेजा था। अब उन्हें क्या पता था कि लाखों रुपये खर्च करके जिन बच्चों को उन्होंने अच्छी जिंदगी के लिए देश की राजधानी

में भेजा वो ही इस दुनिया में नहीं रहेंगे। सवाल लाजमी है कि आखिर देश की नामी कोचिंग में पढ़ने वाले इन युवाओं की मौत का जिम्मेदार कौन है। कौन लेगा इन मासूमों के जिंदगी लेने की जिम्मेदारी। क्या कोचिंग वाले मानेंगे कि ये उनकी लापरवाही का नतीजा है? क्या दिल्ली सरकार इस घटना की जिम्मेदारी लेगी? आखिर किसी को तो लेना होगा इसकी जिम्मेदारी। क्योंकि इसे दुर्घटना तो कह नहीं सकते, मृत छात्रों के परिजन भी इसे गैर इरादतन हत्या का मामला बता रहे हैं। फिलहाल पुलिस-प्रशासन और सरकार सफाई पर सफाई दे कर बचने का रास्ता निकाल रही है। इस घटना से राजधानी में पढ़ रहे हजारों छात्र सड़कों पर उतर आए। आम लोगों में भी जबर्दस्त गुस्सा है। इस घटना को लेकर हर किसी के मन में कई सवाल हैं। दिल्ली के पॉश इलाके में मौजूद इतने नामी कोचिंग सेंटर में आखिर इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हो सकती है? दिल्ली के कई इलाकों में हर साल पानी भरने की घटनाएं सामने आती रही हैं। जिस क्षेत्र में ये कोचिंग सेंटर है वहां भी ऐसी शिकायतें आती रही हैं। इसके बावजूद कोई उपाय नहीं किया गया। छात्रों की मानें तो हर साल बारिश में यहां की सड़क पर घुटनों तक पानी भर जाता है। बावजूद इसके उन्हें कोचिंग जाना पड़ता है। छात्रों ने बताया कि रुल के मुताबिक बेसमेंट में कोचिंग चल ही नहीं सकती, इसके बाद भी यहां सैकड़ों लाइब्रेरी और कोचिंग वेसमेंट में संचालित हो रहे हैं। आज पानी भरने की घटना से छात्रों की मौत हुई, कल आग की घटना से मौतें होंगी। अंग्रेजी माध्यम से यूपीएससी परीक्षा की तैयारी करने वाले लगभग दो लाख से अधिक स्टूडेंट्स दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर, पटेल नगर और करोल बाग इलाके में रहते हैं। ये तीनों ही रेजिडेंशल इलाके हैं। हाल ही में नॉर्थ कैपस एरिया में बारिश के बाद कंट लगाने से एक स्टूडेंट की मौत हुई थी। उस घटना से यहां छात्र डरे हुए तो थे ही इसी बीच फिर शनिवार की घटना ने उन्हें झकझोर के रख दिया है। यहां तैयारी करने आए एक छात्र ने बताया कि कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने की वजह से स्टूडेंट्स की मौत ने उन्हें हिला कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि हम लाग यहां कमरे का 20 हजार रुपए किराया देते हैं और लाखों की फीस देते हैं। देशभर के क्रीम ब्रेन वाले स्टूडेंट यहां तैयारी के लिए आते हैं लेकिन हमारी जान की परवाह न कौचिंग वालों को है और न ही सरकार व उसके अफसरों को।

नया बजट, नई उद्धान ।

डॉ. सुधाकर कुमार मिश्रा

बजट फ्रेंच शब्द' का अंग्रेजी रूपांतरण ' (बजट) है जिसका आशय चमड़े का थैला होता है । वैश्विक स्तर पर 1773 में सबसे पहले रॉबर्ट बालपोल, जो तत्कालीन ग्रेट ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री थे, ने 'बजट' शब्द का प्रयोग किया था । भारत में सबसे पहले बजट 1860 में ग्रेट ब्रिटेन के वित्त मंत्री जेम्स विल्सन ने किया था । भारत के सांख्यिकी विद पीसी महालनोंबिस को आधुनिक बजट का जनक कहा जाता है प्रत्येक साल के बजट का मौलिक उद्देश्य दुर्लभ संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना है । भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 के अनुसार पूरे वर्ष का केंद्रीय बजट जिसे ' वार्षिक वित्तीय विवरण ' भी कहा जाता है, में वित्तीय वर्ष में सरकार के लागत का उत्तराधिक न होने पर रहती है । लोकतांत्रिक सरकार की स्थिरता जनता की सहभागिता से तय होती है । लोगों को बैंक सेवा(बैंकिंग), एलपीजी सिलेंडर, पीएनजी सप्लाई ,स्वस्थ पेयजल जिसकी आम आदमी को सर्वाधिक आवश्यकता है । बिजली सेवा अर्थात राजधानियों के तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में भी विद्युत वितरण रहे और स्वास्थ्य सेवाएं प्रत्येक जनपद में मेडिकल विश्वविद्यालय की स्थापना जिससे आम आदमी अपना इलाज करवा सके । बजट का उद्देश्य नीतिगत निरंतरता, सुधार का संकल्पित इच्छा शक्ति और राज्य में नवीन अवसरों का तुलनात्मक रूप से सृजन है । बजट 2024- 25 आसन्न संकटों के समाधान और भावी पद को पढ़ले से तेवंतर बनाने का आदानपान

न यत्तराय यत् य उत्तराय का अनुमानित प्राप्तियां और व्यय का विवरण होता है। बजट राष्ट्र-राज्य के विकास को प्रभावित करने वाला सबसे बड़ा कारक होता है। बजट का मुख्य उद्देश्य सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टिकोण से देश का सुधार करना और लोगों को बेहतर भौतिक गुणात्मक जीवन जीने में सहयोग करना है। बजट के वास्ते सरकार अपनी नीतियों को क्रियान्वित करती है। दुर्लभ संसाधनों का अधिकतम उपयोग का प्रयास करते हैं। गणितीय दृष्टिकोण से कहें तो बजट का उद्देश्य लोगों के मौलिक जीवन के गुणात्मक उन्नयन करना है। सभी लोगों को दैनिक जीवन की मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति पहल से बहतर बनाने का जाइना दिखा रहा है।

नन्तर पीढ़ी के लिए नवीन अवसरों को तैयार करने के साथ ही कृषि और किसानों के कल्याण की प्रतिबद्धता और अनुकूल औद्योगिक वातावरण के निर्माण के कदम एक सशक्त, समर्थ, समृद्ध और संभावनाओं वाले भारत का आधार तैयार करने में सहायक सिद्ध हो रहा है। वित्तीय वर्ष 2024- 25 का बजट 48.21लाख करोड़ रुपए का बजट राष्ट्र सर्वोपरि की धारणा को मजबूत करने के साथ ही देश को मजबूती करने का उद्देश्य है। वित्तीय वर्ष 2024- 25 में सुशिक्षित समाज के उन्नयन पर जार दे रहा है।

ੴ ਥਾਕੁਰ

रिशभ ठाकुर

मुकेश अंबानी के बेटे अनंत और राधिका के लगभग 93वें दिन के विवाह पर्व का समापन हो गया और बकाया देश की तो मैं नहीं जानता, परंतु मेरे जैसे समाचार पत्रों के पाठकों को कुछ सुकून मिला। वरना तीन माह से कब मंगनी हुई, कब फलनी हुई, कहाँ इटली में प्रीवेडिंग हुई, द्वीप किराये पर लिये, कितने हवाई जहाज, कितने बम्बई के फिल्मी दुनिया के नचर्चिय-गवाईये शामिल हुए, कितने हजार करोड़ की शार्दी हुई, इन्हीं उबाई वाली खबरों से मीडिया भरा पड़ा था। विवाह के खर्च के बारे में लोगों के अलग-अलग अनुमान हैं जो हजार करोड़ से लेकर 5-10 हजार करोड़ तक के खर्च बताते हैं। यह अनुमान स्वाभाविक है। क्योंकि इटली में पूरा द्वीप कई दिनों तक किराये पर लेना, विवाह के अंतिम दिन समारोह में आये मेहमानों के दो-दो करोड़ के गिफ्ट देना यह सामान्य घटना नहीं है और खर्चों के 5000 करोड़ के अनुमान को सही ठहराती है। ऐसा लग रहा है कि जैसे अंबानी के थलथुल बेटे कई शादी कोई राष्ट्रीय पर्व बन गया हो और जिसका खर्च कहने को अंबानी कर रहे हों वे अपना हिस्सा अदा करना पड़ रहा है विवाह के आयोजनों के दौर में अंबानी ने जियो फोन की दरों को बढ़ा दिया और एक प्रकार से देश के जियो के ग्राहकों के ऊपर विवाह टैक्स लगा दिया। स्वाभाविक है कि प्रधानमंत्री का दोस्त वही हो सकता है जो आपदा में अवसर खोज लेता हो। इस-

शादी से और उसकी चर्चा से देश में कप्रकार की मनोविद्वत्तियां पैदा हुईं। आदमी ऐसे भारी महंगी शादियों जिसका तथाकथित बीवीआईपी या सेलिनिटी शामिल हों के प्रति लालायित आकषण्य होता है। और इसका परिणाम यह होगा कि ये और उनके बच्चे अपनी शादियों में इदिखावे के लिये क्षमता से अधिक ख़रेंगे। मुझे स्मरण है कि लगभग 35-36 वर्ष पहले, जब स्व. माधवराव सिंधिया बेटी की शादी का आयोजन ग्वालियर हुआ था तो हेलीकाप्टर से फूल बरसाया गये थे। मैं व मेरे उस समय के मित्र स्व. शरद यादव उस शादी के कुछ दिनों बाद ग्वालियर की यात्रा पर थे तथा हम समाजवादी साथी स्व. विष्णुदत्त तिवारी ने मकान पर बैठे थे, तब एक गाँव व किसान मिलने के लिये आया था उ अंचल की पिछड़ी जाति गूर्जर समाज। था और उसने हम लोगों से पूछा कि श्हेहलीकाप्टर का किराया कितना लगता है। हम लोगों ने बताया कि बहुत पैसे लगता है और क्यों जानना चाहते हो त उसने बताया कि मैं मेरी बेटी की शादी हेलीकाप्टर से फूल बरसाना चाहता हूँ। यह हमने उससे पूछा कि इतना पैसा तुम कह से लाओगे? तो उसने उत्तर दिया कि 1 एकड़ जमीन बेच दूंगा पर हेलीकाप्टर फूल बरसाऊँगा। ऐसे खर्चोंले व दिखावे आयोजन का आमजन के मानस पर कितना विपरीत प्रभाव पड़ता है यह इ घटना से समझा जा सकता है। और उस बाद पिछले वर्षों में अनेकों ऐसे समाचार मीडिया में आये हैं जहाँ गाँव के किसान और पिछड़ी जाति के लोगों ने फूल बरसाया वर-वधु की विदाई के लिए हेलीकाप्टर

कियाये पर लिये। अंबानी के इस वैभवपूर्ण विवाह ने जहां एक तरफ आमजन मानस में भोगविलास, दिखाव फिजूलखर्ची के कीटाणु पैदा कर दिल दिमाग को बिद्धत किया है, उसके साथ बाजार के लिये नये द्वार भी खोल दिये इन सब दिखावों के ऊपर जो पैसा खो गया अंततर वह बाजार में ही जायेगा और इसलिये शायद मीडिया ने इन खबरों को आकर्षक बनाकर परोसा है क्योंकि मीडिया के मालिक भी वही उद्योगपति व्यापारी हैं। मीडिया अगर एक सामाजिक व्यक्ति अपने परिवार के विवाह में 5-10 लाख रुपये खर्च करता होगा तो अपवाह छोड़ दें तो वह अब अपनी क्षमता से बाजाकर भले ही उसे अचल संपत्ति बेच पड़े, कर्ज लेना पड़े, पर वह 20-30 लाख रुपये खर्च करेगा। उसके बच्चे उसे बाजार करेंगे। उदाहरण के लिये मान लीजिये एक वर्ष में देश में 1 करोड़ शादियां होती हैं और उनमें से 50-60 लाख शादियां मध्यमवर्गीय परिवर्तों की हो तो देश बाजार को आसानी से 5-10 लाख करोड़ का व्यापार मिल जायेगा। मनोविद्धति को बिगड़कर, भोग और जलसे 30 दिखावे को मानसिकता को तैयार कर पैसा कमाने के कई प्रकार के प्रयोग पिछे वर्षों से मीडिया ने शुरू कराये हैं। विवाह की वर्षगांठ, विवाह के 25 साल, 50 साल और इन्हें एक बार फिर से नये विवाह समान बारात और जुलस से लेकर सनाटकीय पुनरावृत्ति शुरू कराई गई। जिस पर 10-20 लाख का खर्च तो मामूली तरह पर होता है। याने अब ऐसा समय आये जिसमें जितनी शादीयां होंगी उनसे ज्यादा शादीयों की वर्षगांठ होगी। जन्म दिवस

उत्सव, मुंडन का उत्सव और न कितने प्रकार के उत्सव शुरू करा दिये जिनमें दिखावे व प्रचार ने मध्यमवर्गीय उलझा दिया। इस उत्सवधर्मिता ने और लाभ व्यापार जगत को पहुँचाया है। यह है कि मध्यमवर्गीय व मध्यमवर्गीय वर्ग अपने सारे, सामाजिक सरोकारों को भूल जाता है व केवल समारोहों के विजर्सन, उनमें शिरकत व में फँसा रहता है। अगर उसके जीवन कालखण्ड का सामान्य अध्ययन विजाये तो साल के लगभग 100 दिन समाज के उच्च व मध्यम वर्ग के विवाह, विवाह की वर्षगांठ, जन्मायकथा और भण्डारे, तीर्थदर्शन आदि खर्च करता है और बकाया समय अपनी पारिवारिक दायित्व की पूर्ति के लिए ढूँढ़ पर जाता है। याने वह आम समाज शारारिक और मानसिक रूप से कट जाता है तथा अपने समाज या देश के बाहर सोचने-विचारने, उसमें सहभागिता वाला न समय उसके पास होता है और न उसका मन होता है। अंबानी के इस विवाह का निमंत्रण उन्होंने राज्यों के मुख्यमंत्रियों, केंद्र सरकार के प्रधानमंत्री मर्फत और विरोधी दलों के नेताओं को भी फैशन की जिनकी देर सवेर सत्ता में आने संभावनायें हैं या जिनके उनके राजनीति व व्यापारिक रिश्ते हैं जो संसद या विधानसभा के माध्यम से उन्हें लाभ हानि पहुँचा सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तो उनके समारोह में न केवल सम्मिलित हुये बल्कि मीडिया के अनुसार 2 घंटे 40 मिनिट वर्हां रहे। मैं मान सकता हूँ कि चौंकि दोनों गुजरात के हैं : प्रधानमंत्री की राजनीति व धीरूप

अंबानी के परिवार में गहरा रिश्ता होगा, परंतु एक देश का प्रधानमंत्री एक उद्योगपति के विवाह पर्व में पैने 3 घंटे रहे क्या यह देश के प्रशासन तंत्र को खुला संदेश नहीं है? और सत्ता प्रतिष्ठान व उद्योग प्रतिष्ठान के गहरे रिश्तों का खुलासा नहीं करता। फिर प्रधानमंत्री जी की इस विवाह यात्रा का खर्च किसने उठाया? प्रधानमंत्री की यात्रा पर पर खर्च, विमान, सुरक्षा आदि मिलाकर करोड़ों में होता है। क्या प्रधानमंत्री ने यह खर्च निजी कोष से उठाया है? क्या यह खर्च अंबानी समूह ने उठाया है? या देश की गरीब जनता को भोग और जलसों के लिये, प्रेरित करने का खर्च भी सरकारी खजाने याने जनता ने उठाया है?

अगर प्रधानमंत्री जी ने यह खर्च स्वतरू उठाया हो या अभी भी इसकी राशि जमा कर दें तो कम से कम यह उनकी नैतिकता होगी परंतु यह होगा नहीं। मुकेश अंबानी ने कांग्रेस के संसदीय दल की नेता श्रीमती सोनिया गांधी को भी निमंत्रण दिया था और मीडिया के अनुसार वह 1 घंटे उनके साथ रहे। एक निमंत्रण के देने में 1 घंटे का समय कुछ आश्चर्यजनक भी है और कुछ राजनैतिक संदेश व संभावनायें भी पैदा करता है। गुजरात के एक राजनेता श्री देवेन्द्र यादव ने तो आरोप ही लगाया है कि अंबानी ने कांग्रेस के साथ कुछ डील कर ली है और उसी का एक हिस्सा है कि श्री राहुल गांधी ने (यद्यपि वे शादी में नहीं गये थे या पता नहीं उन्हें निमंत्रित किया गया था या नहीं) गुजरात में जाकर कहा कि अब गुजरात में सरकार कांग्रेस की आयेगी। उनकी यह असामयिक घोषणा कुछ चौकाने वाली तो है।

क्या मोदी चीन के साथ रिश्ते सुधारने की रणनीति बना रहे हैं ?



अशोक भाटिया

और दिखाने वाले अलग हैं। उन्होंने कहा कि वैसे यह अच्छी बात है कि विदेश मंत्री एस. प्रयशंकर ने एक महीने के भीतर सरी बार चीनी विदेश मंत्री वांग ऑ से मुलाकात की है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा बताया गया है भी जा रहा है कि दोनों देशों के बीच सैन्य स्तर पर भी हाल में विश्वार्ता के दौर हुए हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही यह भी पहली बार आ रहा है कि एससीओ के सदस्य दोनों देशों के सुरक्षा अधिकारियों ने दोनों में पहले संयुक्त आतंकवाद-धर्मी अभ्यास में हिस्सा लिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा लग रहा है कि एक मोदी सरकार अपने तीसरे गवर्नर्काल में चीन के साथ संबंध बढ़ाव रखने पर जोर दे रही है। यह एक भारत सरकार अपने उस खिलख पर अडिग है कि चीन को भारत के साथ पिछले समझौतों का पूर्ण सम्मान करना ही होगा। उन्होंने तक दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात की बात है कि लाओस में हुई इस मुलाकात के दौरान जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से साफ-साफ बहु दिया कि भारत के द्विपक्षीय संबंधों में स्थायित्व लाने और नवं नवं नवं नवं हाली के लिए चीन को गत्सविक नियंत्रण रेखा तथा पिछले समझौतों का पूर्ण सम्मान द्वारा निश्चित करना ही होगा। उन्होंने बहु था कि भारत का कहना है कि जब तक सीमा क्षेत्रों में शांति ही ही होगी, चीन के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं हो सकते। एस मुलाकात के बाद विदेश मंत्री प्रयशंकर ने कहा है कि वापसी क्रिया को पूरा करने के लिए गार्डेशन दिए जाने की आवश्यकता पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि उनके बयान में बहु गया है कि एलएसी और पिछले समझौतों का पूरा सम्मान द्वारा निश्चित किया जाना चाहिए। मारे संबंधों को स्थिर करना मारे आपसी हित में है। हमें तर्मान मुद्दों पर उद्देश्य और त्परता की भावना का रुख रखना आसाय बैठक के बाद 'एक्सप्रेस' सीपीरेस्च चाइना (चीन से आज की) है। इसके लिए लेकर स्थिति संबंधों होगी। भारत सीमा चीन सामान्य जयशंकर पूर्वी लंग रहने वेल पांचवें जयशंकर प्रक्रिया मार्गदर्शन आवश्यक एलएसी पूरा रखना स्थिर रहना है। हमें और तरह रखना की मुम्भाली मंत्रालय कि बैठक जुलाई पिछली की सदिया। बातची स्थियिक लिए (एलएसी का शब्द केंद्रित विदेश मंत्री जयशंकर पूर्ण वित्त तत्परता आवश्यक है।)

चाहिए।' जयशंकर ने विदेश मंत्रियों की दौरान वांग से मुलाकात सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट किया था कि (कम्प्युनिस्ट पार्टी ऑफ पोलिट ब्यूरो सदस्य और के) विदेश मंत्री वांग यो वियनतियान में मुलाकात मारे द्विपक्षीय संबंधों को चारी जारी रही। सीमा की निश्चित रूप से हमारे की स्थिति पर प्रतिबिंधित हम आपको बता दें कि जो कहना है कि जब तक भारतीयों में शांति नहीं होगी, तब साथ उसके संबंध नहीं हो सकते। वैसे र और वांग के बीच वार्ता रख में सीमा विवाद जारी बीच हुई जो मई में अपने वर्ष में प्रवेश कर गया। उर ने कहा, "वापसी को पूरा करने के लिए न दिए जाने की कक्षता पर सहमति बनी। और पछले समझौतों का सम्मान सुनिश्चित किया गयाहए। हमारे संबंधों को रना हमारे आपसी हित में वर्तमान मुद्दों पर उद्देश्य परता की भावना का रुख गयाहए। उधर, दोनों मंत्रियों नाकात के बारे में विदेश ने एक बयान में कहा है कि ने दोनों मंत्रियों को चार को अस्ताना में अपनी वैठक के बाद से स्थिति परीक्षा करने का अवसर त्रिलाल्य ने कहा, "उनकी द्विपक्षीय संबंधों में व लाने और पुनर्वहाली के अस्तविक नियंत्रण रेखा चारी) से संबंधित शेष मुद्दों व प्र समाधान खोजने पर गयी।"

त्रिलाल्य ने कहा, "दोनों ल्द से जल्द सैनिकों की गरी के लिए उद्देश्य और के साथ काम करने की कता पर सहमत हुए।

नीट मामले में फैसला तो मिला पर न्याय नहीं



9

चार जून का मेडिकल प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट घोषित होने के बाद जिस तरह की गड़बड़ियों अनियमिताओं हराफेरी पेपर मले एक के बाद वह इस देश की मेडिकल शिक्षा नए कई जा रही ता पर सवालिया रती है वरन यह उचित होगा कि उजागर हो गयी है नम्रता और देश यवस्था में पूरी न खेते हुए पूरी साथ अभिव्यक्ति संविधान प्रदत्त त निवेदन करता रीक्षा में तमाम अव्यवस्था और यों की जांच के 13 लागा का गिरफ्तार किया। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। 17 मई को सुप्रीम कोर्ट ने 5 मई को आयोजित नीट-यूजी 2024 में गड़बड़ियों का आरोप लगाने वाली याचिका पर केंद्र और एनटीए से जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट ने पेपर लीक समेत अन्य दूसरी गड़बड़ियों के आधार पर नए सिरे से दोबारा से परीक्षा कराने वाली याचिका पर 11 जून को केंद्र और एनटीए से जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट ने 18 जून को सुनवाई के दौरान कहा कि एनईटी-यूजी 2024 परीक्षा के संचालन मैं किसी की तरफ से लापरवाही हुई हो, लेकिन इससे पूरी तरह निपटा जाना चाहिए। विवाद के बीच केंद्र सरकार ने 22 जून को एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार को हटा दिया और परीक्षा में हुई धांधली की जांच सीबीआई को सौंप दी। 23 जून को सीबीआई ने मामले में पहली एफआईआर दर्ज की।

बाद नाट परीक्षा गुरुगोपाल रियों की हड्डी तो पता चला एक ही परीक्षा में से 720 लाने दए इतना ही नहीं कलोमीटर दूर से विद्यर्थी ने अपने क्रैंक पर परीक्षा दी एक रिसॉर्ट किराए की पहली रात को पेपर हल जांच एजेंसी ने ऐसे गए पेपर की रामद करने में भी ल की। तमाम जांच की शुरुआत अपना पुलिस ने विधाली की जांच की। पतना पुलिस ने पोर्ट दर्ज की और लीक माले में मुताबक साबिआई एम्स स चार स्टूडेंट्स से पूछताछ कर रही है। इन पर सॉल्वर के तौर पर काम करने का आरोप है। यही नहीं जांच में पता चला है कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जमशेदपुर (झारखण्ड) के 2017 बीच के सिविल इंजीनियर पंकज कुमार उर्फ आदित्य ने कथित तौर पर हजारीबाग में एनटीए ट्रंक से नीट-यूजी पेपर चुरा लिया था। सीबीआई ने अपनी जांच में पाया कि सात लोगों को प्रश्नपत्र हल करने का काम सौंपा गया था। इन सात लोगों को लगभग 45 मिनट में 25-25 प्रश्न हल करने का काम सौंपा गया था। अब तक 'सॉल्वर मॉड्यूल' के पांच लोगों को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई ने कुल 16 लोगों को गिरफ्तार किया है।



अन्तर्राष्ट्रीय

अखिलेश-केशव के व्यंग्य में अब कटुता का पृष्ठ

समाजवादी पार्टी के विक्षयक अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के उपर्यामंत्री केशव प्रसाद मुर्खी के बीच नोकझोंक में नई नहीं है। यह सब बाब एक बार समाजवादी राजनीति में यादव और अखिलेश में लेकिन शिवपाल यादव के हृत्थे पर बैठे नजर उलट दोनों के बीच तब तक को मिली थी, जब एक भी सीएम स्टूल पर बैठे बाद अखिलेश अक्सर ल वाला मंत्री कहकर प्रकार जब हाल में ही केशव और योगी के बीच आईं तो अखिलेश उसमें को सौ विधायक लाने पर ‘मानसून आफर’ दे दिया जुबानी जंग मानसून तक माँहरे तक जा पहुंच गई प्रमुख अखिलेश यादव ने आयोजित संविधान मार्ग कार्यक्रम में कहा था कि वह (दिल्ली के वार्डफाई का तो मोहरा है, कुछ दर ऐसे प्लेटफार्म एक्स पर केशव जवाब आ गया। उन्होंने कांग्रेस का मोहरा बनने अखिलेश भी नहीं रुके, इसके फिर केशव पर निशाना डबल इंजन की सरकार

व्यंग्य में अब कटुता का
मतभेद की खबरें
कूद पड़े और केशव
मुख्यमंत्री बनाने का
। अब इसी क्रम में
फर से निकालकर
है। दरअसल, सपा
प्रदेश कार्यालय में
स्तंभ की स्थापना
(केशव प्रसाद मौर्य
आसवर्ड हैं)। मौर्य जी
ही इंटरनेट मीडिया
प्रसाद मौर्य का भी
अखिलेश यादव पर
का आरोप लगाया।
उम होने तक उन्होंने
साधते हुए उनको
में दिल्ली- लखनऊ
के बीच शॉटिंग करने वाला इन
दिया। अखिलेश यादव और केशव
के बीच आरोप-प्रत्यारोप पिछले
की कार्यसमिति की बैठक के बाब
है। केशव ने बैठक में संगठन
बड़ा होने की बात क्या कही, इसके
ने भाजपा को घेरते हुए एक्स पर
कि 'तोड़फोड़' की राजनीति
भाजपा दूसरे दलों में करती थी,
काम वह अपने अंदर कर रही
अंदरूनी झगड़ों के दलदल में
है।' इस बीच केशव दिल्ली में
नेतृत्व से मिलकर वापस लखनऊ
अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि
घर को आए।' कुल मिलाकर देव
बीच व्यंग से शुरू हुई नौकझोत
में बदलती जा रही है।

रशिम देसाई को है अपने मिस्टर राइट की तलाश, कर रही हैं नए प्यार का इंतजार

एक्ट्रेस रशिम देसाई 38 साल की हैं लेकिन आज भी अकेली हैं। उनकी लाइफ में दो लोग आए लेकिन वात बिगड़ी ही। दूसरे रिश्ते से तो ज्यादा अफेक्ट हुई। मगर अब वह आगे बढ़ना चाहती है। और मिस्टर राइट की तलाश कर रही है। उन्होंने अपने मन की बात कही है।

रशिम देसाई फिर से चाहती हैं घर बसाना

'उत्तरन' टीवी सीरियल में तपस्या का किंदार निभाकर घर-घर फैमस हुई रशिम देसाई ने कई रियलिटी शोज में भी काम किया। दूसरे डेली सोप भी किया। भोजपुरी इंडस्ट्री में भी हाथ आजमाया। शादी, तलाक और ब्रेकअप के बाद आज एक्ट्रेस बिल्कुल अकेली है। मगर अब वह मिस्टर राइट की तलाश में है। उन्होंने पारस छावड़ा के पांडकास्ट में अपने पार्टनर की खूबियों का जिक्र किया है। बताया है कि क्या उसमें ऐसी कलालिटी होनी चाहिए, जिसे वह ही कहेगी।

रशिम देसाई ने की अपनी शादी के बारे

नें बता-

पारस छावड़ा के शो पर पहुंची रशिम देसाई ने कई सारी बातें की। इस दौरान जब पारस ने उनसे उनके बिलेशनशील्य पर कहा-

से जानती हैं। बस साथ में चलने वाला कोई ढंग का चा हिं ए। लेकिन वो इंडस्ट्री का न हो और मुझे समझने



चाहिए।'

रशिम देसाई ने कहा- मिस्टर राइट नहीं आए हैं

रशिम देसाई ने कहा कि अभी वह इस शादी, अफेक्ट वाले सब्जेक्ट पर स्ट्रगल कर रही है।

उन्होंने लगता है कि शायर ये सब उनके लिए नहीं है या फिर अभी तक उनके लिए लालक में मिस्टर राइट नहीं आए हैं। रशिम देसाई ने कहा, 'मुझे लगता है कि इस जन्म में मुझे मेरे साथी का मिलना नहीं होगा। ऐसा मुझे लगता है।'

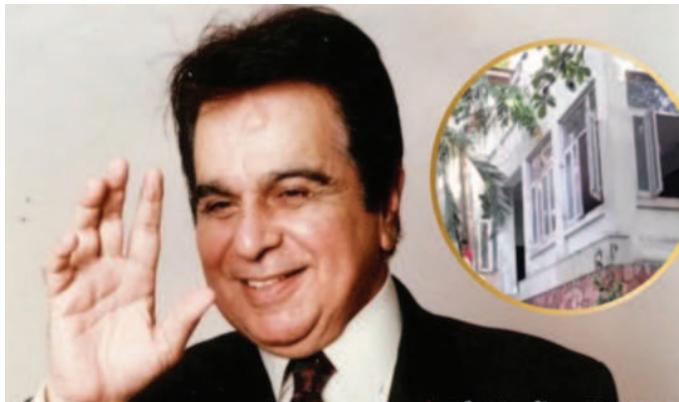
रशिम देसाई का चाहिए ऐसा लड़का

रशिम देसाई ने कहा कि उन सारी भाई भाड़ में, उन सारी लोगों में से कोई तो जो मुझे, मैं जैसी हूं उस हाल में एसेंट करेगा। मुझे मेरे फैसले खुल लेने दे। अगर मैं गलत हूं तो एक तरीके से मुझे समझाया। मैं अगर कुछ नया करना चाहूं और मैं उनके लिए एक्साइटमेंट को दवाएं न। मुझे आगे बढ़ने दे।

रशिम देसाई को बहूबी आती है ये चीजें

रशिम देसाई ने कहा कि घर चलाना, रिश्ते की निभाना, तो सब बेसिक है, जो मैं बहुत अच्छे

आलीशान अपार्टमेंट में बदलेगा दिलीप कुमार का पाली हिल बंगला, 172 करोड़ रुपये में बिका काम्प्लेक्स



दिलीप कुमार के बांदा स्थित बंगले में बने ट्रिप्लेक्स को 172 करोड़ 21 वर्ग फैटर में फैला है। इसे लैकरॉक ने बेचा है, जबकि एको इंफ्राट्रॉक प्राइवेट लिमिटेड ने इसे खरीदा है। यह ट्रिप्लेक्स तीन मंजिलों - 9वीं, 10वीं और 11वीं में फैला हुआ है। प्रति वर्ग फैटर की दर करीब 1.62 लाख रुपये है। अपार्टमेंट के पंजीकरण के लिए चुकाई गई स्टांप इयूरी 9.30 करोड़ रुपये है।

दिलीप कुमार की विधान का प्रदर्शन

पिछले साल ही मिले वो निभाने वाला मिले नहीं तो न मिले। क्योंकि वह अकेले भी खुश है। अगर सही हो तो, तभी मिले। नहीं तो नहीं। मुझे शादी करने का कोई भूत नहीं सवार है।

अराहन खान ने जो किया, उसके डर गई हैं रशिम

पारस ने रशिम से पूछा कि उन्हें तो लोग USA में भी जानते हैं तो क्या वहां से कोई शादी का प्रयोगल नहीं आया? तो एक्ट्रेस ने कहा, 'पिछले 4-5 साल में मेरे साथ जो घटना घटी है, उसके बाद तो मैं इन्हीं डर गई हूं कि एक पास में भी आना चाहे तो मैं उसे भेज देता हूं हूं वापस।'

नंदीश से शादी और फिर 5 साल तें तलाक

रशिम देसाई ने 'उत्तरन' से पृष्ठांत के लिए लालक में भी खुशी की थी। को-एक्ट्रेन नंदीश सिंह संधू से अफेक्ट हुआ और फिर इन्होंने 2011 में शाश्वती कर ली थी। लेकिन कुछ साल बाद ही इनके बीच अब जारी रुख हो गई। लड़ाइयां होने लगी।

2013 में डेवलपर ने घोषणा की कि वे इमारत में 15 लाजरी अपार्टमेंट का निर्माण करेंगे। पहले यह घोषणा की गई थी कि यह परियोजना 2017 तक पूरी हो जाएगी।

बंगले को लेकर था कानूनी विवाद

दिलीप कुमार के पाली हिल बंगले में बदलेगा दिलीप कुमार के पाली हिल बंगले को लेकर कुछ कानूनी विवाद हुए थे।

दरअसल, परिवार ने एक रियल एस्टेट फर्म पर कानूनी दस्तावेजों में जालसाजी करने का लिए समझौता किया था, जो वहां पर इसका विवाद खत्म हो।

उन्होंने कई योग्यों पर अपने बेटे के लिए संपत्ति पर कब्जा करने के लिए इराकिंग दरहना से दूर रहते हैं, लैकिन मात्रा-कभी उनकी कुछ तस्वीरें खुल खो जाती हैं।

इन्होंने अपनी साथी वानों ने बताया कि वह लगातार अपने बेटे के लिए एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।

आरव की ओर से एक लड़की के साथ अक्सर उनकी तस्वीरें खाली रखता है।



स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

'अनारकली सूट' में दिखे एलिगेंट और ट्रैडिशनल

ऐश्वर्य की पसंदीदा पोशाक है
अनारकली



ऐश्वर्य की भी पसंदीदा पोशाकों में अनारकली सूट भी शामिल है। उनके इस ल्वेक कलर के पारंपरिक परिधान के भी खूब चर्चे हैं थे। अदाकारा इसकी बोल्ड नैकलाइन के कारण और ज्यादा अट्रेक्टिव लग रही थीं।

सूट पर कलरफुल चैड वर्क किया गया था, इसमें चमचमाती लुक जोड़ने के लिए बॉर्डर, नैकलाइन और बिलो-नी (झुटनों से जौचे) हैं। पूरे सूट पर ब्लैक सीवरेन वर्क भी किया गया था। सूट के साथ कैरी किया गया था।

अनज्ञा की ट्रैडिशनल लुक
अनज्ञा पांच ट्रैडिशनल

अनारकली सूट में बेहद ही गौरीभूषण लग रही थीं। उनके पीच कलर के सिल्क फैब्रिक सूट पर गोल्डन बॉर्डर वर्क जानदार

दिखा रहा था। उनकी परफैक्ट फैशन व्याइस को बेहद डी पसंद किया जा रहा है। आप भी अनन्य की तरह खूबसूरत माझ टीका, कानों में गोल्डन चांदबाली और कॉकटेल रिंग पहन वाहवाही लुट सकती हैं।

लाक्षी ने किया आकर्षित

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह थोने की पसंदीदी थोनी भी सुंदर लुक्स से अक्सर ही सबका ध्यान अपनी और खौचीती है। हाल ही में उन्होंने इस पर्फल कलर के अनारकली सूट से सबको आकर्षित किया। इस डीप नैक अनारकली सूट पर सिल्वर और गोल्डन धागे से कढ़वाई की गई है। पूरे सूट पर फूलों का डिजाइन देखने लायक था। उनका यह सूट लुक ट्रैडिशनल होने के साथ-साथ कलासिक भी था।

अनारकली सूट हमेशा से



भारतीय फैशन का एक महत्वपूर्ण विस्सा रहा है और चॉलीवुड में तो इसका चलन कभी पुराना नहीं होता। अनारकली सूट की विशेषता उसकी एलिगेंट और ट्रैडिशनल अपील है। यह महिला को एक ग्रेसफुल और रोयल लुक देता है, जो कभी भी आकर्षक और फैशन नहीं होता। चॉलीवुड सेलेब्स ने इसे खास मौकों पर पहनकर अपनी लुक में चार चौदह लगाए हैं।

दीपिका पापुकोण का लाल जोड़ा

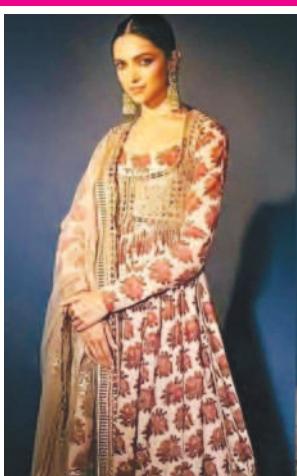
दीपिका पापुकोण ने विभिन्न अवसरों पर अनारकली सूट पहना है और उनके लुक हमें एलिगेंट और ग्रेसफुल रही है। हाल ही में प्रैनेट नैकों ने लाल रंग का अनारकली सूट पहना था। इसके साथ गोदा लाइन वाला दुपट्ठा उन्हें रोयल लुक के रहा था। पूरा सूट गोल्डन जरी और जरदोजी वर्क से रुख हुआ था। नई-नवेनों दुल्हन के लिए इस लुक का खूबसूरत लाल जोड़ा बेहतर होता है।

उर्मिला मातोंडकर का हैरी

अनारकली सूट
उर्मिला मातोंडकर का अनारकली सूट स्टाइल भी सरल लुक जोड़ने के लिए बॉर्डर, नैकलाइन और बिलो-नी (झुटनों से जौचे) हैं। पूरे सूट पर ब्लैक सीवरेन वर्क भी किया गया था। सूट के साथ कैरी किया गया था।

सारा का नवाची अंदाज

अगर आप नवाची स्टाइल चाहते हैं तो सारा अली खान आपकी मदद कर सकती है। आइवरी ऑरेंजो फेशन सूट पर गोल्डन बॉर्डर वर्क जानदार



का सारा का यह अनारकली सूट उनके व्यक्तिगत को निखारने का काम कर रहा था। इस सूट की नैकलाइन, स्लीव्स पर माओरी एंट्रेक्टिवरी को गई थी। इस पर खूबसूरत गुलाबी रंग का टच, किनारा पर चौड़ा-सा गोल्डन बॉर्डर और मल्टी रंग का दुपट्ठा बेहद कमाल का लग रहा था।

उर्मिला मातोंडकर का हैरी
अनारकली सूट
उर्मिला मातोंडकर का अनारकली सूट स्टाइल भी सरल लुकों जोड़ने के लिए एक बॉर्डर, नैकलाइन और बिलो-नी से जौचे हैं। पूरे सूट पर ब्लैक सीवरेन वर्क अनारकली सूट को और बढ़ा रहा था। अपनी इस लुक को उन्होंने गजरा बन, पोटली बैग और हैवी चुनरी के साथ कम्प्लीट किया था।

सारा का नवाची अंदाज

अगर आप नवाची स्टाइल चाहते हैं तो सारा अली खान आपकी मदद कर सकती है। आइवरी ऑरेंजो फेशन सूट पर गोल्डन बॉर्डर वर्क जानदार

युवा/कैरियर

सोमवार, 29 जुलाई, 2024 9

भविष्य में सर्वाधिक मांग वाली नौकरियाँ

जैसे-जैसे संगठन आर्टिफिशियल इंटरियोर, बायोटेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, पर्यावरण, परिवर्तन, वैज्ञानिक जुड़ाव और रिमोट वर्क के उदय के व्यवधानों से अधिक प्रभावित होते हैं, उन्हें अपनी पेशकश की जाने वाली नौकरी को लगातार संशोधित करना होगा। कोई भी भविष्य का पूरी तरह से अनुमान नहीं लगा सकता है वा 10 साल के समय में अर्थव्यवस्था और समाज की क्या जरूरतें हो सकती हैं, इसलिए जबकि आप निश्चित रूप से यह नहीं जान सकते हैं।

प्रतीं भ्रवंधक सुविधा भ्रवंधक क्या आप नविष्ट के प्रतिमा प्रबंधन पैदेंग हैं?

हार्वेस्ट विजेनेस स्कूल के शब्दों में, रब्हु-पीढ़ी के कार्यवल का प्रबंधन करना अपने आप में एक कला है। युवा कर्मचारी त्वरित प्रभाव डालना चाहते हैं, मध्यम पीढ़ी को मिशन में विश्वास रखने के लिए इससे पहले कि आप अपने 2030 में एक करियर कैसे दिखाने वाली हैं। आप अभी रहे हैं और कर सकते हैं वह है, कल के करियर पर्याप्त के लिए नैकलाइन, स्लीव्स पर माओरी एंट्रेक्टिवरी को गई थी। इस पर खूबसूरत गुलाबी रंग का टच, किनारा पर चौड़ा-सा गोल्डन बॉर्डर और मल्टी रंग का दुपट्ठा बेहद कमाल का लग रहा था।

दीपिका पापुकोण का लाल जोड़ा

दीपिका पापुकोण ने विभिन्न अवसरों पर अनारकली सूट पहना है और उनके लुक हमें एलिगेंट और ग्रेसफुल रही है। हाल ही में प्रैनेट नैकों ने लाल रंग का टच, किनारा पर चौड़ा-सा गोल्डन बॉर्डर और लम्फी रंग का दुपट्ठा बेहद कमाल का लग रहा था।

सुनपरिषाधित होते जा रहे हैं।



महत्वपूर्ण नौकरी गृहिणियाँ: इंटरेस्टेट और थिम्स विशेषज्ञ सूचना प्राप्ति भ्रवंधक

एप डेवलपर, क्लाउड कॉर्पोरेशन प्रबंधक

सोइलबॉर्स भ्रवंधक

टीव्र तद्वारा प्रिवर्टर के साथ अनुकूलन कैरीबी कैरीबी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोट, स्वचालित वाहन और इंटरेस्टेट की एक हालिया रिपोर्ट जो अनुसार, अमेरिकी स्वास्थ्य आईटी वाज़र वर्ष 2020 तक 104 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो 2020 और 2023 के बीच 13.5% की वार्षिक चक्रवृद्धि दर से बढ़गा।

स्वास्थ्य प्रबंधक सुविधा भ्रवंधक क्या आप नविष्ट के प्रतिमा प्रबंधन पैदेंग हैं?

हार्वेस्ट विजेनेस स्कूल के शब्दों में, रब्हु-पीढ़ी के कार्यवल का प्रबंधन करना अपने आप में एक कला है। युवा कर्मचारी त्वरित प्रभाव डालना चाहते हैं, मध्यम पीढ़ी को मिशन में विश्वास रखने के लिए नैकलाइन, स्लीव्स पर माओरी एंट्रेक्टिवरी को गई थी। इससे पहले कि आप अपने 2030 में एक करियर कैसे दिखाने वाली हैं, आप अभी रहे हैं और कर सकते हैं वह है, कल के करियर पर्याप्त के लिए नैकलाइन, स्लीव्स पर माओरी एंट्रेक्टिवरी को गई थी। इस पर खूबसूरत गुलाबी रंग का टच, किनारा पर चौड़ा-सा गोल्डन बॉर्डर और लम्फी रंग का दुपट्ठा बेहद कमाल का लग रहा था।

प्रतीं भ्रवंधक सुविधा भ्रवंधक क्या आप नविष्ट के प्रतिमा प्रबंधन पैदेंग हैं?

हार्वेस्ट विजेनेस स्कूल के शब्दों में, रब्हु-पीढ़ी के कार्यवल का प्रबंधन करना अपने आप में एक कला है। युवा कर्मचारी त्वरित प्रभाव डालना चाहते हैं, मध्यम पीढ़ी को मिशन में विश्वास रखने के लिए नैकलाइन, स्लीव्स पर माओरी एंट्रेक्टिवरी को गई थी। इससे पहले कि आप अपने 2030 में एक करियर कैसे दिखाने वाली हैं, आप अभी रहे हैं और कर सकते हैं वह है, कल के करियर पर्याप्त के लिए नैकलाइन, स्लीव्स पर माओरी एंट्रेक्टिवरी को गई थी। इस पर खूबसूरत गुलाबी रंग का टच, किनारा पर चौड़ा-सा गोल्डन बॉर्डर और लम्फी रंग का दुपट्ठा बेहद कमाल का लग रहा था।

प्रतीं भ्रवंधक सुविधा भ्रवंधक क्या आप नविष्ट के प्रतिमा प्रबंधन पैदेंग हैं?

हार्वेस्ट विजेनेस स्कूल के शब्दों में, रब्हु-पीढ़ी के कार्यवल का प्रबंधन करना अपने आप में एक कला है। युवा कर्मचारी त्वरित प्रभाव डालना चाहते हैं, मध्यम पीढ़ी को मिशन में विश्वास रखने के लिए नैकलाइन, स्लीव्स पर माओरी एंट्रेक्टिवरी को गई थी। इससे पहले कि आप अपने 2030 में एक करियर कैसे दिखाने वाली हैं, आप अभी रहे हैं और कर सकते हैं वह है, कल के करियर पर्याप्त के लिए नैकलाइन, स्लीव्स पर माओरी एंट्रेक्टिवरी को गई थी। इस पर खूबसूरत गुलाबी रंग का टच, किनारा पर चौड़ा-सा गोल्डन बॉर्डर और लम्फी रंग का दुपट्ठा बेहद कमाल का लग रहा था।

प्रतीं भ्रवंधक सुविधा भ्रवंधक क्या

भारत का मान मनु भाकर, बॉक्सर से बनीं शूटर ने पेरिस ओलंपिक में रचा इतिहास

पेरिस, 28 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में भारत ने अपना खाता खोला लिया है। शूटर मनु भाकर ने भारत को पहला मेडल जिताया है। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। इसी के साथ उन्होंने इतिहास भी रच दिया है। शूटिंग में ओलंपिक मेडल जीतने वाली मनु भाकर की पहली खेली खिलाड़ी है, इससे पहले उन्होंने 2020 ओलंपिक में भी हिस्सा लिया था, लेकिन तब वह सातवें स्थान पर रही थीं। इस बार उन्होंने शानदार वापसी की और मेडल अपने नाम किया।

मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता ब्रॉन्ज

भारतीय शूटर मनु भाकर ने 221.7 पॉइंट्स हासिल किए। इस इवेंट में करिया की ओह थे जिन ने गोल्ड जीता। उन्होंने 243.2 पॉइंट्स करके ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया। करिया की ओह थी कि इस बार उन्होंने 241.3 पॉइंट्स बनाए। बता



दें, टोक्यो ओलंपिक में मनु की पिस्टल खारा हो गई थीं। तब मनु सिर्फ 14 शॉट लगा पाई और फाइनल की रेस से बाहर हो गई थीं। लेकिन इस बार उन्होंने सारा दिसाया बराबर रखा।

बॉक्सर से शूटर बनीं मनु भाकर हरियाणा के झज्जर के छोटे से गांव गोरिया से ताल्लुक रखने वाली मनु भाकर ने अपने करियर के दौरान कई खेल खेले, मनु कभी कबड्डी के मैदान में उतरीं तो जीत चुकी हैं।

शूटिंग को प्राथमिक रूप से चुनने से पहले मनु ने स्ट्रेटिंग, मार्शल आर्स, कराटे, कबड्डी और बॉक्सिंग जैसे खेलों में किस्मत अजामाइ। वह शूटिंग से पहले बॉक्सिंग और मार्शल आर्स में मेडल जीत चुकी हैं, लेकिन चोट के कारण उन्हें बॉक्सिंग छोड़नी पड़ी थी। वह कराटे, थांग टा और टांत में मनु नेशनल मेडलिस्ट है। टांत में 3 बार की नेशनल चैपियन है, स्केटिंग में स्टेट मेडल जीत चुकी है।

बेटी के लिए पिता ने छोड़ी थी अपनी नौकरी

मनु भाकर की ओलंपिक तक पहुंचने में उनके पिता का भी बहुत बड़ा योगदान है। उनके पिता राम किशन ने मनु भाकर के लिए बड़ी कुंबनी दी थीं। बेटी के खेल के प्रति रुचि देखते ही पिता ने अपनी नौकरी छोड़ दी थीं।

मनु भाकर की नौकरी थीं। उन्हें डॉक्टर बनाना चाहती थीं। लेकिन उनके स्कूल के पुराने कोच ने शूटिंग में किस्मत आजमाने की सलाह दी थी।

16 साल की उम्र में दिलाया था भारत का पहला गोल्ड

मनु भाकर पहले बार 16 साल की उम्र में सुधियों में आई थीं। मनु ने सिर्फ 16 साल की उम्र में साल 2018 के कॉम्मन्वेलथ गेम्स में दिसाया लेकर 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता। आपने अलावा 2018 ISSF वर्ल्ड कप में भी मनु ने 2

गोल्ड मेडल जीते थे।



की। यह अच्छी खतरे की घटी की घटी है। हमने तीन अंक बनाए।' वहीं, हालांकि, कोच क्रेग फूल्टन ने गोल्ड मेडल के प्रदर्शन पर खुशी जताई है। कलान हरमनप्रीत ने 59वें मिनट में पेनट्री स्ट्रोक पर गोल्ड करके टीम को जीत दिलाई।

अपना चौथा ओलंपिक खेल रहे हैं। श्रीजेश ने कहा, 'ओलंपिक में पहला मैच की ओर आसान नहीं होता। इसके अलावा 2018 ISSF वर्ल्ड कप में भी मनु ने 2

गोल्ड मेडल जीते थे।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी गोलकीपर और पूर्व

श्रीलंका विमेस ने रचा इतिहास: 24 साल में पहला एशिया कप जीता

कोलंबो, 28 जुलाई (एजेंसियां)। भारत को 8 विकेट से हराया; अटापटू-हर्षिता की फिफटी



उक्सान पर 165 रन बनाए।

श्रीलंका की बल्लेबाजों ने 166 रन

के जबाब में कमाल का खेल दिखाया। इस टारोएट के जबाब में श्रीलंका ने अपना पहला मैच भारत और श्रीलंका की टीमें आपने-सामने थीं। जिसमें श्रीलंका टीम ने बाजी मारकर पहली बार ट्रॉफी ले लिया है।

महिला एशिया कप 2024 का फाइनल मैच भारत और श्रीलंका के बाद रचा गया। इस मैच में दोनों टीमों के बीच बड़ी टक्कर देखने की मिली। लेकिन अंत में श्रीलंका की टीम ने बाजी मारी। बता दें, श्रीलंका ने अपने क्रिकेट इतिहास में पहली बार महिला एशिया कप का खिताब जीता। वह अब और श्रीलंका के बाद एशिया कप जीतने वाली तीसरी महिला टीम भी बनी है।

टीम इंडिया को 165 रनों पर रोका

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस मैच में टॉस को बीच रंगिरो दांबुला इंटरेशनल स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में भारत और श्रीलंका की टीमें आपने-सामने थीं। जिसमें श्रीलंका टीम ने बाजी मारकर पहली बार ट्रॉफी ले लिया है।

60 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 10 चौके देखने

को मिले। वहीं, ऋचा घोष की ओर से दमदार खेल देखने की मिला। उन्होंने सिर्फ 14 गेंदों पर 61 रन बनाए। जिसमें 9 चौके और 2 छक्के शामिल थे।

उनके अलावा हर्षिता समरविक्रमा ने कमाल की बल्लेबाजी की। हर्षिता ने भी अधर्षक्त जड़ा, उन्होंने 51 गेंदों पर 69 रन बनाए। जो जीत तक पहुंचा।

बता दें, ये महिला एशिया कप का 9वां प्राइवेशन था। टीम इंडिया ने 20 ओवर में 6 विकेट के चूक गए हैं।

जिसके चलते टीम इंडिया ने 20 ओवर में 6 विकेट के

एशिया कप का खिताब जीता था। उसे सिर्फ 1 बार ही हार

एक बार। 2018 में बांगलादेश ने टीम

इंडिया को फाइनल में हराया था। इसके बाद अब ये दूसरा

मौका है जब टीम इंडिया एशिया कप का खिताब जीतने से

चूक गए हैं।

इससे पहले उसने 8 में से 7 बार

प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उन्हें लय में

आपने नाम कर मुकाबले जीत लिया।

हरमीत ने शुरुआत से ही बनाया दबाव

हरमीत इस मुकाबले में शानदार लय में दिखा रहे थे और

उन्होंने शुरुआत से ही अपने प्रतिद्वंद्वी एवं योग्यन पर दबाव बना दिया।

हरमीत ने 30 मिनट तक चर्चे इस मुकाबले में 11-7, 11-9, 11-5, 11-5 से जीत दर्ज की। हरमीत ने इस मुकाबले में जीत के अपने प्रतिद्वंद्वी को टिकने नहीं दिया।

प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उन्हें लय में आपने ज्यादा समय नहीं लगा।

शुरुआती गेम को आसानी से जीतने वाली तीसरी टीम भी बनी है।

हरमीत ने अपने चौकों में उन्हें देखने के बाद दूसरे

प्रतिद्वंद्वी को देखने के बाद दूसरे

